D.El.Ed [illegible]

[illegible] 1 May 2020

11/5/20

गांधी जी का पाठ्यक्रम –

बुनियादी शिक्षा – गाँधीजी को ऐसे पाठ्यक्रम में विश्वास था, जो भौतिक तथा सामाजिक वातावरण का ज्ञान कर बालकों को समुचित ज्ञान दे। बालकों को क्रियाशीलता से जोड़ने के लिए इन्होंने अपने पाठ्यक्रम में 'हस्तकला के विषय' जोड़े।

गाँधी जी की बुनियादी शिक्षा इसी पर आधारित है –

जैसे – सूत कातना, कपड़ा बुनना इन्होंने बालकों को सिखाना।

बेसिक शिक्षा योजना के पाठ्यक्रम में गाँधी जी ने हस्त कौशल के निम्नलिखित कार्यों का निर्धारण किया –

1 ⇒ क्राफ्ट के लिए ⇒ कताई - बुनाई, धातु का काम, लकड़ी का काम, गत्ते का काम, मिट्टी का काम आदि।

2 ⇒ शिक्षा का माध्यम ⇒ मातृभाषा।

3 ⇒ व्यावहारिक समस्याओं के लिए – व्यावहारिक गणित, रेखागणित, वाणिज्य के विषय रखे।

4 ⇒ समाजीकरण के लिये ⇒ इतिहास, भूगोल तथा नागरिकशास्त्र रखे।

5 ⇒ स्वास्थ्य विज्ञान ⇒ स्वास्थ्य विज्ञान का पाठ्यक्रम भी जोड़ना।

6 ⇒ सामान्य विज्ञान ⇒ जीवविज्ञान, रसायनविज्ञान, शरीर विज्ञान, प्रकृति विज्ञान, भौतिक विज्ञान विषय भी जोड़े।

गाँधीजी के अनुसार शिक्षण पद्धति –

1 ⇒ अनुभव द्वारा सीखना।

2 ⇒ क्रिया द्वारा सीखना।

3 ⇒ सीखने की प्रक्रियाओं में समन्वय।

4 ⇒ शारीरिक अंगों का विवेकपूर्ण प्रयोग।

5 ⇒ मनसा, वाचा, कर्मणा में समन्वय स्थापित कर सिखाना।

शिक्षक का स्थान

1 ⇒ विषय का पूर्ण ज्ञाता।

2 ⇒ मार्गदर्शक।

3 ⇒ जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने वाला।

4 ⇒ चरित्रवान। क्षमाशील। परिश्रमी। संयमी।

5 ⇒ छात्रों की परेशानियों के प्रति संवेदनशील।

6 ⇒ नवीन शिक्षण विधियों तथा शैक्षिक प्रयोगों का प्रयोग करने वाला।

End

Scanned with CamScanner